# समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | **Monday, 24 August 2026**


# जहानाबाद के आदित्य भारद्वाज ने विभागीय परीक्षा मे हांसिल किया तृतीय स्थान, IAS अधिकारी बनकर देश-समाज की सेवा करना है लक्ष्य

RANJEET KUMAR | Published on 23 Aug 2026

***[illegible] | [illegible], [illegible] | [illegible]***

जहानाबाद के होनहार छात्र **आदित्य भारद्वाज** ने विभागीय स्तर पर आयोजित परीक्षा में **तृतीय स्थान** हासिल कर अपने परिवार के साथ-साथ पूरे जिले का नाम रोशन किया है। आदित्य की इस उपलब्धि पर परिवार, रिश्तेदारों, शिक्षकों, मित्रों और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है।

आदित्य की सफलता पर **दशरथ मांझी जन कल्याण संस्थान ट्रस्ट** और **विश्व सनातन वैदिक संघ, जहानाबाद** ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। संस्थान एवं संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि आदित्य की मेहनत और सफलता जिले के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

विभागीय परीक्षा में हासिल किया तृतीय स्थान

आदित्य भारद्वाज ने विभागीय स्तर पर आयोजित परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए **तीसरा स्थान** प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि को उनकी मेहनत, नियमित अध्ययन और दृढ़ संकल्प का परिणाम बताया जा रहा है।

आदित्य के पिता ने बताया कि उनका बेटा बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी रहा है। वह अपनी पढ़ाई को लेकर गंभीर रहा और लगातार मेहनत करता रहा। आदित्य ने अपनी सफलता का श्रेय अपने **माता-पिता, शिक्षकों और ईश्वर के आशीर्वाद** को दिया।

IAS अधिकारी बनकर देश और समाज की सेवा का सपना

सफलता के बाद आदित्य ने अपने भविष्य के लक्ष्य के बारे में बताते हुए कहा कि उनका सपना **IAS अधिकारी बनकर देश और समाज की सेवा करना** है।

उन्होंने कहा कि वह भविष्य में देश के विकास में अपना योगदान देना चाहते हैं और जरूरतमंद लोगों की मदद करने के साथ समाज के लिए सकारात्मक कार्य करना चाहते हैं।

आदित्य का यह लक्ष्य उनकी वर्तमान उपलब्धि को और खास बनाता है। विभागीय परीक्षा में सफलता के बाद अब वह अपने बड़े लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने के लिए लगातार मेहनत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सफलता का श्रेय मेहनत और नियमित पढ़ाई को

आदित्य ने अपनी सफलता के पीछे कड़ी मेहनत, नियमित पढ़ाई और दृढ़ संकल्प को प्रमुख कारण बताया। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी असफलता से हार नहीं मानी और अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए लगातार प्रयास किया।

उन्होंने अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन को भी महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि पढ़ाई के दौरान शिक्षकों द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करने और नियमित अध्ययन करने से उन्हें काफी मदद मिली।

सफलता की खबर मिलते ही बधाई देने वालों का लगा तांता

आदित्य के विभागीय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त करने की खबर सामने आते ही उनके घर पर बधाई देने वालों का सिलसिला शुरू हो गया। रिश्तेदारों, मित्रों और शुभचिंतकों ने आदित्य और उनके परिवार को शुभकामनाएं दीं।

सोशल मीडिया के माध्यम से भी लोगों ने आदित्य को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दशरथ मांझी संस्थान और विश्व सनातन वैदिक संघ ने दी बधाई

**दशरथ मांझी जन कल्याण संस्थान ट्रस्ट** और **विश्व सनातन वैदिक संघ, जहानाबाद** ने आदित्य की उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी।

संस्थान और संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि आदित्य ने अपनी मेहनत और प्रतिभा से परिवार और जिले का गौरव बढ़ाया है। उनकी सफलता अन्य विद्यार्थियों को भी मेहनत, अनुशासन और लगन के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

पदाधिकारियों ने आदित्य के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वे आगे भी उनकी सफलता के लिए अपना सहयोग और समर्थन जारी रखेंगे।

अन्य छात्रों के लिए आदित्य का संदेश

आदित्य ने अन्य विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि सफलता के लिए **कड़ी मेहनत, नियमित पढ़ाई और दृढ़ संकल्प** जरूरी है। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे असफलताओं से निराश न हों और अपने सपनों को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास करते रहें।

उनके अनुसार, यदि विद्यार्थी अपने लक्ष्य को लेकर गंभीर रहें और पूरी मेहनत के साथ आगे बढ़ें तो कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

संवाद: सफलता और भविष्य के लक्ष्य पर आदित्य से बातचीत

**पत्रकार :** आदित्य, विभागीय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त करने के लिए बहुत-बहुत बधाई। आपको कैसा महसूस हो रहा है?

**आदित्य :** धन्यवाद। मुझे बहुत खुशी हो रही है। यह मेरी मेहनत और लगन का परिणाम है। मैं अपने माता-पिता, शिक्षकों और उन सभी लोगों का धन्यवाद करना चाहता हूं, जिन्होंने मुझे हमेशा प्रेरित किया।

**पत्रकार :** आपकी सफलता के पीछे क्या रहस्य है?

**आदित्य :** मेरी सफलता का सबसे बड़ा आधार कड़ी मेहनत, नियमित पढ़ाई और दृढ़ संकल्प है। मैंने कभी हार नहीं मानी और अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए लगातार प्रयास करता रहा। शिक्षकों के मार्गदर्शन का भी मुझे काफी लाभ मिला।

**पत्रकार :** आपका भविष्य का लक्ष्य क्या है?

**आदित्य :** मेरा लक्ष्य IAS अधिकारी बनकर देश और समाज की सेवा करना है। मैं देश के विकास में योगदान देना चाहता हूं और

लोगों की मदद करना चाहता हूं।

**पत्रकार :** आप अन्य छात्रों को क्या संदेश देना चाहेंगे ?

**आदित्य :** मैं सभी छात्रों से कहना चाहता हूं कि वे मेहनत और लगन से पढ़ाई करें। कभी हार न मानें और अपने सपनों को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास करते रहें। दृढ़ संकल्प और मेहनत से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

**पत्रकार :** एक बार फिर आपको बहुत-बहुत बधाई। हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

**आदित्य :** बहुत-बहुत धन्यवाद।

**विभागीय स्तर की परीक्षा मे तृतीय स्थान हासिल कर आदित्य भारद्वाज ने जहानाबाद का नाम रोशन किया है।** उनकी सफलता कड़ी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। आदित्य का लक्ष्य IAS अधिकारी बनकर देश और समाज की सेवा करना है।

दशरथ मांझी जन कल्याण संस्थान ट्रस्ट और विश्व सनातन वैदिक संघ सहित परिवार, शिक्षकों और शुभचिंतकों ने उनकी सफलता पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। आदित्य की उपलब्धि निश्चित रूप से जहानाबाद के अन्य विद्यार्थियों के लिए **मेहनत और लक्ष्य के प्रति समर्पण की प्रेरणादायक मिसाल** है।

---

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/RANJEET KUMAR, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.